धांधली में सहायक अभियंता और उपनिदेशक निलंबित

लखनऊ, 2 अक्तूबर (ब्यूरो)

प्रगति के फर्जी आंकड़े दिखाने तथा समूह 'ग' की नियुक्तियों में धांधली करने के दो अलग-अलग मामलों में मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने लघु सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता तथा पशुपालन विभाग में उपनिदेशक को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बेईमान अधिकारियों और कर्मचारियों को बचाने वाले उच्चाधिकारियों को भी नहीं बख्शा जाएगा। मुख्यमंत्री ने फर्जी और अनियमितताओं वाले सभी मामलों में दोषियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमें तक दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

मैनपुरी हादसे पर छपी खबरों से वाजपेयी दुखी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ, 2 अक्तूबर

प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी मैनपुरी विमान हादसे के बारे में प्रशासन की लापरवाही से संबंधित अखबारों में छपी खबरों से काफी व्यथित नजर आए। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह और आगरा मंडल के अफसरों को निर्देश दिए कि यदि मैनपुरी की घटना के बारे में अखबारों में छपी खबरें सही नहीं हैं तो वे उनके बारे में स्पष्टीकरण दिलवाएं। श्री वाजपेयी ने प्रदेश की राजधानी लखनऊ को सभी मंडल मुख्यालयों से वीडियो कांफ्रेसिंग से जोड़ने की आज शुरुआत के अवसर पर मुख्यमंत्री से पूछा कि क्या मैनपुरी आपके किस मंडल में है?

इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वह आगरा मंडल में आता है। उन्होंने तत्काल आगरा मंडल के अफसरों से बात करने की इच्छा जाहिर की। श्री वाजपेयी ने कहा कि वह उनसे पूछना चाहते हैं कि अखबारों में छपा है कि मैनपुरी के पास हुई घटना के बाद अफसर तत्काल गायब हो गए या घंटों नहीं पहुंचे। शवों को निकालने में उन्होंने कोई मदद नहीं की। प्रधानमंत्री के इतना कहते ही नेशनल इनफारमेशन सेंटर (एनआईसी) ने तुरंत स्क्रीन पर आगरा मंडल के अफसरों को प्रधानमंत्री के सामने ला दिया। आगरा मंडल के आयुक्त वी.के.शर्मा ने अपनी सफाई में कहा कि दो बजे दुर्घटना हुई। प्रथम सूचना मोहता रेलवे स्टेशन से करीब ढाई-तीन बजे थाने को दी गई और सूचना मिलने पर जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वहां पहुंचे। घटना स्थल सड़क से एक-डेढ़ किलोमीटर दूर था और रास्ते में पानी भरा था। अफसर पैदल चलकर वहीं पहुंचे। आलू का खेत होने के कारण वहां दलदल भी था जिससे कठिनाई जरूर हुई। वह स्वयं और डीआईजी भी वहां पहुंच गए थे, इसलिए यह गलत है कि किसी ने सहायता नहीं की।

> **मुख्यमंत्री और अफसरों से कहा खंडन जरूरी है**

इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि घटना स्थल जंगल में था और आपने यह सब किया तो बहुत अच्छी बात है, लेकिन अखबारों में जो छपा वह सब बातें विचलित करने वाली हैं, इसलिए उनमें स्पष्टीकरण जरूरी है। इस बीच मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आधे-पौने घंटे की देरी जरूर हो सकती है क्योंकि वहां पानी भरा था, लेकिन जो कुछ इलेक्ट्रानिक मीडिया पर नेताओं ने कहा कि वह सच नहीं है। उन्होंने कहा कि वह बाहर दौरे पर थे, रात नौ बजे जब लखनऊ लौटे तो जोखिम उठाकर रात ही वहां पहुंचे और उस समय सारे अधिकारी व्यवस्था में जुटे थे। लाशें ठीक ढंग से रखी थीं। पंचनामे में जरूर देरी हुई क्योंकि एक नहीं आठ लाशों का पंचनामा भरा जाना था। यही नहीं, कांग्रेस के वहां मौजूद वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें व्यवस्थाओं के लिए धन्यवाद दिया।